भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.03.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4750 का उत्तर

उत्पादकता में सुधार

4750. श्री सुब्रत पाठक:

श्री रविन्दर कुशवाहा:

श्री राजेन्द्र धेड्या गावित:

श्री चंद्र शेखर साहू:

श्री रवि किशन:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय रेल लागतों को इष्टतम बनाने और कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और कोविड-19 के बावजूद इस वर्ष को अपवाद वर्ष बनाने के लिए सभी प्रकार की उत्पादकता को और बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है और यदि हाँ, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सुधार के लिए अभी तक किसी क्षेत्र की पहचान की गई है;

(ग) यदि हां, तो मार्च 2020 से भारतीय रेल की परिचालन लागत का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या रेलवे ने उपरोक्त अवधि के दौरान घरेलू उपभोक्ता मांगों को पूरा करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) ऐतिहासिक बजट में रिकॉर्ड पूंजीगत प्रकार से क्षमता विस्तार और देश में भविष्य के लिए तैयार रेलवे की नींव को रखने के लिए एक अवसर स्वरुप है?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

S.K

उत्पादकता में सुधार के संबंध में दिनांक 24.03.2021 को लोक सभा में श्री सुब्रत पाठक, श्री रविन्दर कुशवाहा, श्री राजेन्दर धेड्या गावित, श्री चंद्र शेखर साहू, श्री रवि किशन, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, श्री सुधीर गुप्ता, श्री बिद्युत बरन महतो एवं श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक के अतारांकित प्रश्न सं. 4750 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख) रेलवे ने लागत को इष्टतम करने और कम करने तथा उत्पादकता में और सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास किया है। इस संबंध में किए गए विभिन्न उपायों के परिणामस्वरूप, रेलें चालू वित्त वर्ष के दौरान अब तक साधारण संचालन व्यय की वृद्धि को काफी हद तक नियंत्रित करने में सफल रही हैं। इसके अलावा, परिचालन व्यय में बचत सुनिश्चित करने के लिए रेलवे में नियमित रूप से मितव्ययिता और आर्थिक उपाय किए जा रहे हैं।

रेल मंत्रालय द्वारा लागत को इष्टतम करने और कम करने के लिए उठाए गए कदम इस प्रकार हैं-

• ईंधन/बिजली खपत, संविदात्मक भुगतान, सामग्री की खरीद आदि क्षेत्रों में व्यय पर कड़ी निगरानी और नियंत्रण।

• बड़े लदान केंद्रों की ऊर्जा लेखा परीक्षा, "वितरण लाइसेंसी" के रूप में रेलवे द्वारा बिजली की खरीद के माध्यम से बिजली के बिलों में बचत करना।

• उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए कार्यों/गतिविधियों पर व्यय का प्राथमिकीकरण।

• जनशक्ति उत्पादकता में सुधार।

• अभिनव उपायों और उपलब्ध सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का उपयोग करके परिसंपत्ति उपयोग में सुधार।

• माल सूची प्रबंधन में सुधार।

• चल स्टॉक के परिचालन और अनुरक्षण की लागत को कम करना।

(ग): मार्च 2020 से फरवरी 2021 तक रेलवे की परिचालनिक लागत 1,34,361 करोड़ रु. (मार्च 2020 के महीने के खर्च सहित) है।

S.K

(घ): वर्तमान महामारी की स्थिति के दौरान रेलवे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लॉकडाउन अवधि के दौरान, रेलवे की माल यातायात सेवाओं का पूरी क्षमता से चालन किया गया है जिनके द्वारा आवश्यक पण्यों यथा अन्न, कोयला, दवाई आदि का परिवहन किया गया और देश भर में आपूर्ति शृंखला को सुनिश्चित किया गया। इसके अलावा, 6.3 मिलियन से अधिक फंसे हुए व्यक्तियों को ले जाने के लिए राज्य सरकारों की मांग पर श्रमिक विशेष गाड़ियां भी चलाई गईं। लॉकडाउन के बाद की अवधि में, राज्य सरकारों की मांग, सलाह और आवश्यकताओं तथा कोविड नयाचार के अनुसार, यात्री सेवाएं क्रमिक रूप से पुनः चलाई जा रही हैं।

(ङ) वर्ष 2021-22 के लिए पूंजीगत परिव्यय अब तक का सर्वाधिक 2,15,058 करोड़ रु. निर्धारित किया गया है। बजट का जोर अवसंरचना के विकास, थ्रूपुट में वृद्धि, टर्मिनल सुविधाओं का विकास, रेलगाड़ियों की गति में वृद्धि, सिगनल व्यवस्था, यात्रियों/उपयोगकर्ताओं की सुविधाओं में सुधार, उपरि सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के संरक्षा कार्य आदि पर है। नई लाइनों, आमान परिवर्तन, दोहरीकरण, विद्युतीकरण परियोजनाओं, चल स्टॉक, उपरि सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों, रेलपथ नवीकरण, यात्री सुविधाओं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/संयुक्त उद्यमों/विशेष प्रयोज्य योजनाओं और महानगरीय परिवहन परियोजनाओं में निवेश के लिए केंद्रित आवंटन किया गया है। यह भविष्य में तैयार रेलवे की नींव रखने के लिए रेलवे को अवसंरचना के तीव्र विकास और क्षमता संवर्धन के पथ पर प्रेरित करेगा।

******

S.K